

23/10/24

पुत्राकली प्रेम दुर्गा लक्ष्मीय काम

पक्ष ३५० / वारी ज्ञानं धर्मो भाव्यं तन्मा  
पुत्राकली के पुत्राकली मित्रेण विना वि  
वादि, मं भागं यत्ना न ही दुःखे वारी  
के भांडा वीर पदद्वारा कल्याण उक्त ।  
मिदमे पदचार एव कति के भी वदा  
भांडा वीर पदद्वारा विना । कति वारी  
एवं वारी लक्ष्मी के कल्पयेत् पद वाड कति  
नोट प्रेम के जाति विना पाए है । पुत्राकली  
पक्ष ३५० एव कल्याण कार्य पा ही वा वि  
उक्त है । मित्रेण पुत्राकली उक्त ।

वादीगण वाद को  
आगे नहीं चलाया  
चाहते हैं ।

श्री १ रिपट

पदचारकली  
Naren

सहायक कलक्टर (मु.) सीकर

*[Faint, mostly illegible handwritten text in the lower half of the page, possibly bleed-through or a second draft.]*